Title: Need to take steps for revival of fertilizers factory at Gorakhpur, UP.

श्री बालकृण चौहान (घोसी) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान गोरखपुर(उ.प्र.) के उर्वरक कारखाने की ओर दिलाना चाहता हूं जो विगत 10 वार्ों से बंद है जिसका बी.आई.एफ.आर. के आधार पर सरकार समापन करना चाहती है। कारखाना समापन होने से कर्मचारियों का भविय अंधकारमय हो जायेगा। वे और उनका परिवार भुखमरी का शिकार हो जायेगा। उक्त कारखाने में आरक्षण नीति देर से लागू होने से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियो की नियुक्ति 1980 के बाद हो पायी। ऐसी स्थिति में इन्हें अल्प सेवा पर ही अनिवार्य या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति देना अमानवीय होगा।

पिछले कई वार्ों से कर्मचारियों, जनता एवं जनप्रतिनिधियों की मांग रही है कि पूर्वांचल के एकमात्र महत्वपूर्ण कारखाने को जनहित में किसी भी कीमत पर बंद न होने दिया जाये जिसके आलोक में पिछले कई माननीय प्रधानमंत्रियों एवं वर्तमान माननीय प्रधानमंत्री जी ने इसे पुन; नई तकनीक के आधार पर चालू करने की घोाणा की थी

अत; मैं सरकार से मांग करता हूं कि गोरखपुर उर्वरक कारखाने के कर्मचारियों के हितों तथा पूर्वांचल के विकास एवं जनहित में पूर्व व वर्तमान सरकार की घोाणा के अनुरूप अविलम्ब नई तकनीक के आधार पर चालू करें।